



काल तथा अव्यय (Tense and Indeclinable Words)

 पढ़िए और समझिए



रमेश खेलने गया था।

रमेश खेल रहा है।

रमेश खेलने जाएगा।

आपने देखा कि उपरोक्त वाक्यों में कार्य के अलग-अलग समय पर होने के बारे में पता चल रहा है—

- पहले वाक्य में गया था शब्द से पता चलता है कि काम बीते समय में हो चुका है।
- दूसरे वाक्य में रहा है शब्द से पता चलता है कि काम वर्तमान समय में हो रहा है।
- तीसरे वाक्य में जाएगा शब्द से पता चलता है कि काम आने वाले समय में होगा।

इस प्रकार हम कह सकते हैं कि—

क्रिया के जिस रूप से उसके होने या करने के समय का पता चलता है, उसे काल कहते हैं।

काल तीन प्रकार के होते हैं—



1. **भूतकाल**— क्रिया के जिस रूप से बीते हुए समय की जानकारी प्राप्त हो, उसे भूतकाल कहते हैं; जैसे—
सुभाष ने खाना खा लिया, हर्ष फुटबॉल खेल रहा था।



ऊपर लिखे वाक्यों में **खा लिया** और **रहा था** शब्दों से बीते हुए समय का पता चल रहा है। अतः ये भूतकाल हैं।

मुख्य पहचान – वाक्य के अंत में **था, थी, थे** लगता है।

2. वर्तमानकाल – अर्थात् **चल रहा समय**; जैसे–



राहुल खाना **खा रहा है**।



सुदेश क्रिकेट **खेल रहा है**।



अस्मिता पानी **पी रही है**।

उपर्युक्त वाक्यों में '**खा रहा है**', '**खेल रहा है**' और '**पी रही है**' से कार्य के वर्तमान में होने का पता चल रहा है। अतः

क्रिया के जिस रूप से कार्य के वर्तमान समय में होने का पता चलता है, उसे **वर्तमानकाल** कहते हैं।

3. भविष्यत्काल – 'भविष्यत्' अर्थात् **आने वाला समय**; जैसे–



कल मैं केरल
जाऊँगा।



अगले हफ्ते मैं ऑफिस
ज्वाइन करूँगा।



माँ आप चिंता मत करिए,
मैं रात तक **आ जाऊँगा**।

उपर्युक्त सभी चित्रों में **जाऊँगा**, **करूँगा** और **आ जाऊँगा** क्रियाओं से आगे आने वाले समय में काम के होने का पता चल रहा है। अतः

क्रिया के जिस रूप से कार्य के आने वाले समय में होने का बोध होता है, उसे **भविष्यत्काल** कहते हैं।



वाक्यों में काल की पहचान

क्रिया के रूप को देखकर काल की पहचान की जाती है—

भूतकाल की पहचान—

1. जिन क्रियाओं के अंत में **था, थी, थे, रहा, रही, रहे, की, किया, किए** आदि लगे होते हैं, वहाँ भूतकाल माना जाता है।
2. **‘या’, ‘यी’(ई), ‘ये’(ए)** से समाप्त होने वाली क्रियाएँ भी भूतकाल की होती हैं।

वर्तमान काल की पहचान—

1. सामान्य रूप में जिन क्रियाओं के अंत में **‘है’** अथवा **‘हैं’** लगा होता है, वह वर्तमान काल होता है।
2. क्रियाओं के अंत में **‘है’** और **‘हैं’** के साथ **‘रहा है’, ‘रही है’** लगा होने पर भी वर्तमान काल ही होता है।

भविष्यत्काल की पहचान—

‘आने वाला समय’ जैसे— जिन क्रियाओं के अंत में **‘गा’, ‘गी’, ‘गे’** होता है, वह भविष्यत् काल होता है।

अव्यय या अविकारी शब्द

बच्चो! हमने लिंग, वचन, कारक आदि के विषय में अध्ययन किया है और यह भी पढ़ा है कि इनका वाक्यों में प्रयोग करने पर विकार उत्पन्न हो जाता है अर्थात् रूप परिवर्तित हो जाता है।

अब उन शब्दों के विषय में पढ़ेंगे जिनमें, लिंग, वचन, कारक आदि के कारण कोई विकार (परिवर्तन) नहीं होता है, ऐसे शब्द **अविकारी** शब्द कहलाते हैं; जैसे—



रीतिका **जल्दी-जल्दी** बोल रही है।



विशाल **धीरे-धीरे** सीढ़ी से उतर रहा है।



वे लोग **अचानक** दौड़ पड़े।

यहाँ **‘जल्दी-जल्दी’**, **‘धीरे-धीरे’** तथा **‘अचानक’** शब्दों पर लिंग, वचन, कारक आदि के कारण कोई परिवर्तन नहीं हो रहा, अतः ये अविकारी शब्द हैं। अतः—

वाक्य के जिन शब्दों में लिंग, वचन, कारक आदि के कारण कोई परिवर्तन नहीं होता, वे **अविकारी शब्द** कहलाते हैं।



अविकारी शब्द चार प्रकार के होते हैं—

अविकारी शब्दों के भेद



क्रिया-विशेषण

वाक्य के जिस शब्द से क्रिया की विशेषता का बोध होता है, उन्हें **क्रिया-विशेषण** कहते हैं; जैसे—



खरगोश **बहुत तेज़** दौड़ता है।



रिंकू तुम **उधर** बैठो।



प्रीति आज **बहुत खुश** बैठी है।

उपर्युक्त वाक्यों में '**बहुत तेज़**', '**उधर**' और '**बहुत खुश**' क्रिया की विशेषता बता रहे हैं। अतः ये शब्द क्रिया-विशेषण शब्द कहलाएँगे।

क्रिया-विशेषण के भेद (Kinds of Adverbs)



1. **कालवाचक क्रिया-विशेषण (Adverb of Time)**— कालवाचक क्रिया-विशेषण क्रिया के होने के समय का ज्ञान कराते हैं; जैसे—

हम सब आज रात को दस बजे इलाहाबाद जाएँगे।

इस वाक्य में **आज रात** और **दस बजे** शब्द कार्य होने के समय का ज्ञान करा रहे हैं।

कुछ अन्य कालवाचक शब्द— कल, परसों, आज, अभी, सदा, जब, तब, हमेशा रोज़ आदि।



अध्यापन संकेत

शिक्षक/शिक्षिका बच्चों को काल तथा अव्यय के भेदों को विस्तारपूर्वक समझाएँ जिससे बच्चों को आसानी से समझ आ जाएँ।



2. **परिमाणवाचक क्रिया-विशेषण (Adverb of Quantity)**— परिमाणवाचक क्रिया-विशेषण क्रिया के परिमाण अथवा माप-तौल का ज्ञान कराते हैं; जैसे—

गिलास दूध से **पूरा** भरा हुआ है।



कम बोलना, **अधिक** सुनना अच्छा है।

उपर्युक्त उदाहरणों में **पूरा**, **कम** एवं **अधिक** शब्द मात्रा एवं माप-तौल का ज्ञान करा रहे हैं।

अन्य परिमाणवाचक शब्द हैं— पूरा, खाली, ज्यादा, न्यून, आधा, लगभग, बहुत आदि।

3. **स्थानवाचक क्रिया-विशेषण (Adverb of Place)**— स्थानवाचक क्रिया-विशेषण क्रिया के स्थान का ज्ञान कराते हैं; जैसे—

बाहर देखो, टॉमी कहाँ घूम रहा है?



उपर्युक्त वाक्य में **बाहर** और **कहाँ** शब्द स्थान का ज्ञान करा रहे हैं।

कुछ अन्य स्थानवाचक क्रिया-विशेषण शब्द हैं— यहाँ-वहाँ, ऊपर-नीचे, दाएँ-बाएँ, इस ओर आदि हैं।

4. **रीतिवाचक क्रिया-विशेषण (Adverb of Manner)**— रीतिवाचक क्रिया-विशेषण, क्रिया होने की रीति या ढंग का ज्ञान कराते हैं; जैसे—

तेज़ आँधी आ रही है।

इस वाक्य में **तेज़** शब्द क्रिया की रीति बता रहा है।

कुछ अन्य रीतिवाचक क्रिया-विशेषण शब्द— शायद, सच, इसलिए, ज़रूर, धीरे-धीरे, ध्यान से, अचानक, जल्दी, रोते-रोते, दौड़कर, अच्छा आदि।

संबंधबोधक

जिन शब्दों द्वारा संज्ञा या सर्वनाम का वाक्य के अन्य शब्दों के साथ संबंध जाना जाता है, वे **संबंध बोधक** कहलाते हैं; जैसे—

मेरे घर **के सामने** पार्क है।

उपर्युक्त वाक्य में 'के सामने' शब्द संज्ञा और सर्वनाम का आपसी संबंध बता रहे हैं।

कुछ अन्य संबंधबोधक शब्द— के आगे, की ओर, के समान, के द्वारा, के बदले, की ओर, के मारे, के साथ, की तरफ़, के पास आदि।

संबंधबोधक के भेद (Kinds of Prepositions)

संबंधबोधक अव्यय के नौ भेद माने जाते हैं—

स्थान सूचक — अंदर, बाहर, ऊपर, नीचे आदि।

विरोध सूचक — अनुकूल, प्रतिकूल, सीधा, उल्टा आदि।



व्यतिरेक सूचक	—	सिवाय, अलावा, अतिरिक्त, रहित आदि।
समता सूचक	—	अनुसार, समान, तरह आदि।
दिशा सूचक	—	दूर, पास, निकट, सामने आदि।
साधन सूचक	—	के द्वारा, के माध्यम आदि।
हेतु सूचक	—	के लिए, कारण आदि।
सहचर सूचक	—	संग, साथ आदि।
काल सूचक	—	बाद, पहले, पीछे, आगे, पश्चात् आदि।

क्रिया-विशेषण और संबंधबोधक में अंतर—

क्रिया की विशेषता बताने वाले शब्द क्रिया-विशेषण और संज्ञा तथा सर्वनाम में संबंध बताने वाले शब्द **संबंधबोधक** कहलाते हैं।

समुच्चयबोधक (Conjunction)

दो शब्दों, वाक्यांशों या वाक्यों को जोड़ने वाले शब्द समुच्चयबोधक कहलाते हैं; जैसे—
संजय गरीब है, **परंतु** ईमानदार है। राधा झूला झूल रही है **और** गीत गा रही है।



उपर्युक्त वाक्यों में '**परंतु**' तथा '**और**' शब्द दो वाक्यों को आपस में जोड़ रहे हैं, अतः इन्हें **समुच्चयबोधक अव्यय** कहते हैं। इन्हें '**योजक**' भी कहते हैं।

समुच्चयबोधक के तीन भेद हैं—

समुच्चयबोधक के भेद (Kinds of Conjunctions)

संयोजक

विभाजक

विकल्पसूचक

- संयोजक**— जो समुच्चयबोधक शब्द जोड़ने का काम करते हैं, उन्हें **संयोजक** कहते हैं; जैसे— और, अथवा आदि।
- विभाजक**— जो समुच्चयबोधक शब्द भेद प्रकट करते हुए दो वाक्यांशों को मिलाते हैं, उन्हें **विभाजक** कहते हैं; जैसे— अगर, मगर, इसीलिए, किंतु आदि।
- विकल्पसूचक**— जो संबंधसूचक शब्द विकल्प का बोध कराते हैं, उन्हें **विकल्पसूचक** कहते हैं; जैसे—अथवा, यद्यपि आदि।

विशेष— कुछ समुच्चयबोधक वाक्यों के प्रारंभ में भी आते हैं; जैसे—

चाहे मानो चाहे ना मानो।

यदि कल धूप निकलेगी तो मैं जाऊँगी।



विस्मयादिबोधक (Interjection)

सुख-दुःख के भाव, घृणा, शोक, आश्चर्य आदि भावों को प्रकट करने वाले शब्द **विस्मयादिबोधक** कहलाते हैं; जैसे—

अरे! तुम कहाँ चले गए थे?



वाह! कितनी सुंदर ड्रेस है।



कुछ विस्मयादिबोधक शब्द—

क्रोध सूचक	—	चुप!	शोक सूचक	—	हाय रे!
हर्षसूचक	—	ओह! वाह!	आश्चर्यसूचक	—	आह! अरे बाप रे!
घृणासूचक	—	छि: छि:	संबोधन	—	ओ! अरे!
स्वीकृति सूचक	—	हाँ, अच्छा			

विशेष— विस्मयादिबोधक शब्दों से आश्चर्य, घृणा, हर्ष, शोक आदि के भाव प्रकट होते हैं, ये केवल मन के भाव होते हैं।



आइए, पुनरावृत्ति करें

- क्रिया के जिस रूप से कार्य के होने के समय का पता चलता है, उसे काल कहते हैं।
- क्रिया के जिस रूप से कार्य के बीते हुए समय में होने का पता चलता है, उसे भूतकाल कहते हैं।
- कार्य के अभी होने का पता चले, तब उस क्रिया को वर्तमान काल कहा जाता है।
- क्रिया का जो रूप आगे आने वाले समय में कार्य होने की ओर संकेत करे, उसे भविष्यत्काल कहते हैं।
- अविकारी शब्दों में लिंग, वचन, कारक आदि के कारण कोई परिवर्तन नहीं होता।
- अविकारी शब्दों के चार भेद हैं— क्रिया-विशेषण, संबंधबोधक, समुच्चयबोधक तथा विस्मयादिबोधक।
- जो क्रिया की विशेषता बताएँ, वे क्रियाविशेषण कहलाते हैं।
- क्रिया-विशेषण के चार प्रकार हैं—
 1. कालवाचक
 2. परिमाणवाचक
 3. स्थानवाचक
 4. रीतिवाचक।
- संज्ञा या सर्वनाम शब्दों में संबंध बताने वाले शब्द **संबंधबोधक** कहलाते हैं।
- दो शब्दों, वाक्यांशों या वाक्यों को जोड़ने वाले शब्द **समुच्चयबोधक** कहलाते हैं।
- मन के भावों को प्रकट करने वाले शब्द **विस्मयादिबोधक** कहलाते हैं।





मौखिक कार्य

Speaking Skills

दिए गए प्रश्नों के उत्तर बताइए।

- (क) काल से आप क्या समझते हैं?
- (ख) काल के कितने भेद होते हैं? नाम बताइए।
- (ग) एक ऐसा वाक्य बताइए जिसके पीछे गा/गी/गे लगा हो।
- (घ) अविकारी शब्द किसे कहते हैं?
- (ङ) क्रिया की विशेषता बताने वाले शब्द क्या कहलाते हैं?
- (च) क्रिया-विशेषण के भेदों के नाम बताइए।
- (छ) संबंधबोधक शब्दों के दो उदाहरण दीजिए।
- (ज) समुच्चयबोधक का क्या काम है?
- (झ) विस्मयादिबोधक शब्द कौन-कौन से भाव प्रकट करते हैं?



लेखन कार्य

Writing Skills

1. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

- (क) क्रिया के होने का समय कहलाता है।
- (ख) जब क्रिया समाप्त हो चुकी हो, उसे कहते हैं।
- (ग) जब क्रिया चल रही हो, उसे कहते हैं।
- (घ) जब कार्य के भविष्य में होने की संभावना हो, उसे कहते हैं।

2. दिए गए वाक्यों में से क्रिया-विशेषण शब्द छाँटकर उनके भेद लिखिए।

क्रिया-विशेषण

भेद

- | | | |
|---------------------------------------|-------|-------|
| (क) सभी खिलाड़ी अच्छा खेले। | | |
| (ख) चीता तेज़ दौड़ रहा है। | | |
| (ग) मेरा दोस्त दिल्ली से अभी आएगा। | | |
| (घ) टोकरी फलों से पूरी भरी है। | | |
| (ङ) इधर-उधर देखे बिना सड़क पर मत चलो। | | |

3. दिए गए वाक्यों में संबंधबोधक शब्दों को रेखांकित कीजिए।

- (क) मनुष्य को पक्षियों की तरह मनोबल ऊँचा रखना चाहिए।
- (ख) प्रातः काल पूर्व दिशा की ओर मुँह करके सूर्य-नमस्कार करना चाहिए।



- (ग) नेहा अपनी सहेली के घर गई।
 (घ) चॉकलेट देखकर बच्चे खुशी के मारे उछल पड़े।

4. क्रिया का उचित मिलान कर वाक्य पूरे कीजिए।

- | | |
|------------------------|------------------------|
| (क) पक्षी बादल देखकर | (i) उगता है। |
| (ख) लता मंगेशकर सुरीला | (ii) प्रसन्न होते हैं। |
| (ग) सूर्य पूरब दिशा से | (iii) उठता है। |
| (घ) रमन खाना खाकर | (iv) गाती हैं। |
| (ङ) वह सुबह जल्दी | (v) सो गया। |
| (च) रश्मि कुल्लू मनाली | (vi) जा रही है। |

5. संबंधबोधक शब्दों से वाक्य बनाएँ।

- (क) के सामने —
- (ख) के साथ —
- (ग) से दूर —
- (घ) की ओर —
- (ङ) के बदले —

6. दिए गए शब्दों में समुच्चयबोधक शब्दों को रेखांकित कीजिए।

- (क) माँ ने बहुत बुलाया, पर बेटा नहीं आया।
 (ख) मैंने बहुत कोशिश की, परंतु गाड़ी नहीं पकड़ सका।
 (ग) मन लगाकर पढ़ो, ताकि अच्छे अंक आएँ।
 (घ) मैंने बहुत समझाया, परंतु वह नहीं मानी।



7. दिए गए वाक्यों में से क्रिया-विशेषण पढ़-चुनकर खाली स्थान पर लिखिए।

क्रिया-विशेषण

- (क) आर्यन नीचे बैठकर पढ़ रहा है।
- (ख) निधि जल्दी-जल्दी गृहकार्य कर रही है।
- (ग) मैं कल दिल्ली जाऊँगा।
- (घ) बच्चे अंदर बैठे हैं।
- (ङ) रोहन बहुत बोलता है।

8. दिए गए विस्मयादिबोधक शब्दों से वाक्य बनाइए।

- (क) सावधान ! —



- (ख) शाबाश! —
- (ग) बाप रे! —
- (घ) अरे! —
- (ङ) हाय! —

9. विस्मयादिबोधक शब्दों का उनके भावों से मिलान कीजिए—

- (क) ओह! (i) आश्चर्य
- (ख) काश! (ii) खुशी
- (ग) शाबाश! (iii) चेतावनी
- (घ) बाप रे! (iv) दुःख
- (ङ) सावधान! (v) इच्छा



10. सही कथन के सामने (✓) तथा गलत के सामने (X) का चिह्न लगाइए।

(क) शब्द का जो रूप किसी कार्य के होने के विषय में बताए, उसे कहते हैं—

☐ क्रिया

☐ काल

☐ धातु

(ख) काल के भेद होते हैं—

☐ दो

☐ तीन

☐ चार

(ग) वर्तमान काल में होता है—

☐ कार्य समाप्त हो चुका होता है।

☐ कार्य होने वाला होता है।

☐ कार्य चल रहा होता है।

11. दिए गए क्रिया-विशेषण शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए।

- (क) धीरे-धीरे
- (ख) हमेशा
- (ग) रोज़
- (घ) ढेर-सा
- (ङ) सुबह
- (च) तेज़

12. निर्देशानुसार काल बदलिए—

- (क) संजय योगासन कर रहा था। (वर्तमान काल)
- (ख) सुमंत बहुत सुंदर मूर्तियाँ बनाता है। (भविष्यत्काल)
- (ग) प्रीति सुंदर नृत्य करेगी। (वर्तमान काल)



(घ) कल हमने पुस्तक प्रदर्शनी देखी।

(भविष्यत्काल)

(ङ) पाँच दिसंबर को हमारा वार्षिकोत्सव होगा।

(भूतकाल)



सोचें-विचारें

Critical Thinking

13. क्या समुच्चयबोधक शब्दों को रीतिवाचक क्रिया विशेषण में प्रयोग करते हैं? सोच-समझकर बताइए।



खेल-खेल में

Brain Storming Activity

14. दिए गए अवतरण में से तीनों कालों को क्रमवार छाँटकर लिखिए।

होली भारत का प्रमुख धार्मिक त्योहार है। यह त्योहार जीवन में उमंग और उत्साह भर देता है। होली के अगले दिन रंग खेला जाता है, जिसे फाग कहते हैं। यह त्योहार होलिका और प्रह्लाद की याद में मनाया जाता है। होलिका को वरदान मिला था कि अग्नि उसका कुछ नहीं बिगाड़ सकती। होलिका प्रह्लाद को जलाने के लिए आग में लेकर बैठी थीं। किंतु ईश्वर ने प्रह्लाद की रक्षा की और होलिका जलकर भस्म हो गई। इस वर्ष होली का पर्व मार्च के अंत में मनाया जाएगा। परंतु महामारी के कारण सावधानी बरती जाएगी। एक-दूसरे को दूर से ही फोन इत्यादि के माध्यम से शुभकामनाएँ दी जाएगी। लेकिन घरों में शुद्ध पकवान बनेंगे।

वर्तमानकाल के शब्द :

.....

भूतकाल के शब्द :

.....

भविष्यत्काल के शब्द :

.....



प्रेरणादायक मूल्य

विपरीत परिस्थिति में भी हमें धैर्य से काम लेना चाहिए, क्योंकि धैर्य से मनुष्य में परिपक्वता का विकास होता है।

